EQUIFAX

sidbi

माइक्रोफ़ाइनान्स पल्स

खंड VI - सितंबर 2020

विश्लेषक संपर्क

इक्वीफ़ैक्स

किरण समुद्राला
उपाध्यक्ष-एनालिटिक्स
kiran.samudrala@equifax.com

श्रुति जोशी
सहायक उपाध्यक्ष-एनालिटिक्स
shruti.joshi@equifax.com

ख्याति खजुरिया
सहायक प्रबन्धक-एनालिटिक्स
khayati.khajuria@equifax.com

वंदना पांचाल
वरिष्ठ कार्यकारी-एनालिटिक्स
vandana.panchal@equifax.com

सिडबी

कैलाश चन्द्र भानू
मुमप्र-ईआरडीएवी
erdav@sidbi.in

रंगदास प्रभावती
उमप्र-ईआरडीएवी
erdav@sidbi.in

रमेश कुमार
सप्र-ईआरडीएवी
rameshk@sidbi.in

विषय-सूची

- कार्यपालक सारांश 03
- संक्षिप्तियाँ व शब्दावली 04
- माइक्रोफाईनान्स उद्योग पर्यावलोकन 05
- संवितरण के रुझान 08
- उद्योग जोखिम रूपरेखा 11
- भौगोलिक एक्सपोजर 13
- ऋण चक्र संख्यात्मक रुझान 16
- आकांक्षी जिले 19
- राज्य की व्यापक रूप रेखा: उत्तर प्रदेश 22

कार्यपालक सारांश

माइक्रोफाइनान्स पल्स के 6वें संस्करण में आपका स्वागत है। 6वें माइक्रोफाइनान्स पल्स में स्रोतीकरण और संविभाग विषयक रुझानों तथा उद्योग की संस्थागत प्रवृत्तियों के साथ-साथ भौगोलिक गतिशीलता के बदलाव पर प्रकाश डाला गया है। यथा मार्च 2020 को 6 करोड़ तक के सक्रिय उधारकर्ताओं के आधार तक पहुंचते हुए, एमएफ़आई उद्योग ने मार्च 2019 की तुलना में मार्च 2020 तक 27% की वृद्धि दर्ज की है।

माइक्रोफाइनान्स उद्योग में मार्च 2020 तक समाप्त होने वाली तिमाही में वर्षानुवर्ष 27% संवृद्धि देखी गई। बकाया संविभाग के मामले में, बैंकों ने मार्च 2019 से मार्च 2020 तक 51% संवृद्धि दर्ज की है, जिसके बाद 35% की संवृद्धि के साथ लघु वित्त बैंक आते हैं। मार्च 2020 तक एमएफआई उद्योग का बकाया संविभाग रु.228,074 करोड़ है, बकाया संविभाग में बैंकों का योगदान 40% की दर से सर्वाधिक है और इसके बाद 33% की दर के साथ एनबीएफसी-एमएफआई आते है। माइक्रोफाइनान्स उद्योग ने संवितरित ऋणों की संख्या में 13% की कमी और जनवरी-फरवरी-मार्च'19 की तुलना में जनवरी-फरवरी-मार्च'20 के संवितरण की राशि में 9% की कमी आई है। राशि की दृष्टि से एनबीएफसी-एमएफआई का संवितरण जनवरी-फरवरी-मार्च'20 तिमाही में 33% तक बढ़कर शिखर पर पहुँच गया - जो कि 5 तिमाहियों में उच्चतम है। उद्योग औसत ऋण आकार में जनवरी-फरवरी-मार्च'19 की तुलना में जनवरी-फरवरी-मार्च'20 तक 4% की संवृद्धि देखी गई। मार्च 2020 में उद्योग की समग्र चुकौती विफलता का स्तर 5.49% रहा, जोकि पांच तिमाहियों में उच्चतम है। 30-59 दिनों के बाद देयराशि की चुकौती में सुधार दिखाई दे रहा है, यह दिसंबर 2019 के 0.70% से घटकर मार्च 2020 में 0.49% हो गया है।

एमएफआई के अखिल भारतीय संविभाग में, 80% से अधिक का योगदान शीर्ष 10 राज्यों का है। बिहार और उत्तर प्रदेश राज्य ने सबसे अधिक वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर्ज की है। अखिल भारतीय दृष्टि से 90+ चुकौतीगत विफलता 0.87% के स्तर तक पहुंच गई, जो कुछ दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों में 0.70% से अधिक चुकौतीगत विफलता के स्तर का सामना कर रही है। अखिल भारतीय दृष्टि से आकांक्षी जिलों का हिस्सा; ऋण बकाया राशि में 12% है और 90+ चुकौतीगत विफलता में ये 0.43 के स्तर पर हैं।

7% के हिस्से के साथ बकाया संविभाग के मामले में उत्तर प्रदेश अखिल भारतीय दृष्टि से शीर्ष 6वें शीर्ष स्थान पर आता है। मार्च 2020 तक उत्तर प्रदेश का औसत ऋण आकार रु.33,323 है। उत्तर प्रदेश में, एनबीएफसी का औसत ऋण आकार सबसे अधिक रु.55,349 और इसके बाद बैंकों का आकार रु.35,342 पर है। मार्च 2020 तक उत्तर प्रदेश की 90+ चुकौतीगत विफलता 0.36% है।

ऋणों की संख्या और ऋण चक्रों की पहचान संख्या और चुकौतीगत विफलता के बीच एक विपरीत संबंध है। ऋण चक्रों की पहचान संख्या जितनी उच्च होगी, ऋणों की चुकौतीगत विफलता की संख्या उतनी ही कम होगी। ऋण चक्रों की पहचान संख्या - 1 के कुल संवितरण का 42% राशि के साथ वर्चस्व है।

संक्षिप्तियाँ व शब्दावली

- एटीएस (औसत ऋण आकार) = संवितरित राशि / ऋणों की संख्या
- डीपीडी = देय राशि के चुकौती बिना बीत चुके दिन
- सक्रिय बकाया संविभाग या उधारकर्ता या सक्रिय ऋण = 0 से 179 डीपीडी+नए खाते+ मौजूदा खाते
- एमएफ़आई = माइक्रोफिनेंस संस्था
- पीओएस = बकाया संविभाग
- यूटी = संघ क्षेत्र
- यूपी = उत्तर प्रदेश

- ऋण चक्र पहचान संख्या = यह इस बात को दर्शाता है कि क्या उधारकर्ता उसी ऋणदाता से पहला दूसरा, तीसरा अथवा इससे अधिक बार ऋण ले रहा है
- आकांक्षी जिले (एडी) - नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा जनवरी 2018 में, स्वास्थ्य व पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल उन्नयन और आधारभूत ढांचे के आधार पर निर्धारित; मानव विकास सूचकांक को बढ़ाने के लिए चिह्नित जिले (वर्तमान में सं. 117)

- 1-179 = 1 to 179 देय राशि की चुकौती बिना बीते दिन/ सक्रिय बकाया संविभाग
- 1-29 = 1 to 29 देय राशि की चुकौती बिना बीते दिन/ सक्रिय बकाया संविभाग
- 30-59 = 30 to 59 देय राशि की चुकौती बिना बीते दिन/ सक्रिय बकाया संविभाग
- 60-89 = 60 to 89 देय राशि की चुकौती बिना बीते दिन/ सक्रिय बकाया संविभाग
- 90-179 = 90 to 179 देय राशि की चुकौती बिना बीते दिन/ सक्रिय बकाया संविभाग
- 30+ चुकौतीगत विफलता = 30-179 देय राशि की चुकौती बिना बीते दिन/ सक्रिय बकाया संविभाग
- 90+ चुकौतीगत विफलता = 90-179 देय राशि की चुकौती बिना बीते दिन/ सक्रिय बकाया संविभाग

- जेएफ़एम'19 = जनवरी 2019 से मार्च 2019 तक
- एएमजे'19 = अप्रैल 2019 से जून 2019 तक
- जेएएस'19 = जुलाई 2019 से सितंबर 2019 तक
- ओएनडी'19 = अक्तूबर 2019 से दिसंबर 2019 तक
- जेएफ़एम'20 = जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक

माइक्रोफाइनांस उद्योग पर्यावलोकन

MicrofinancePulse

माइक्रोफाइनांस उद्योग का सारचित्र – यथा 31 मार्च, 2020

आरेख-01

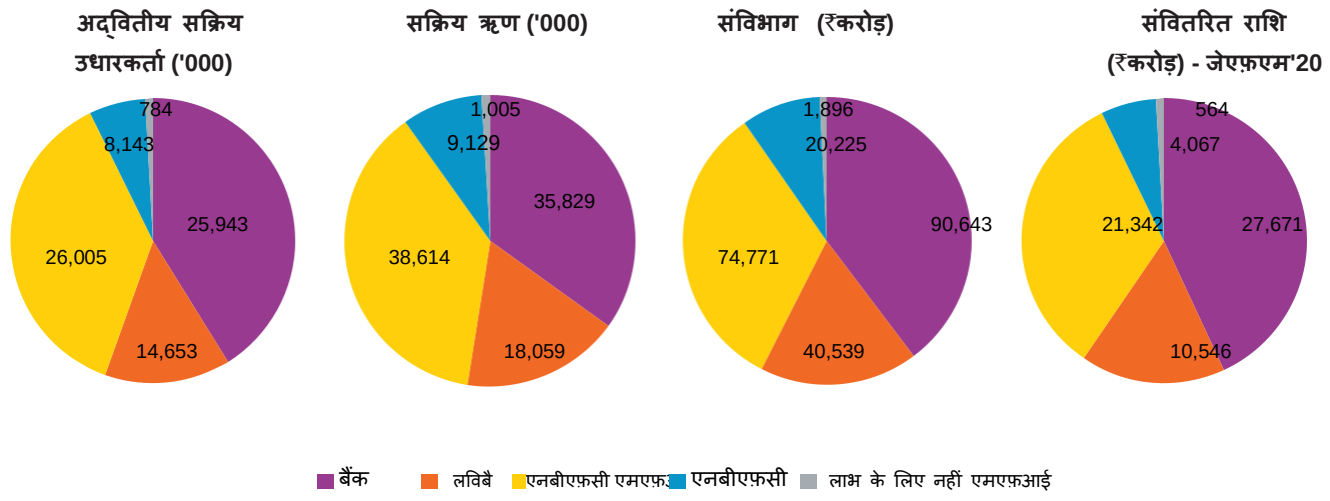

सारचित्र यथा 31 मार्च 2020	बैंक	एसएफ़बी	एनबीएफ़सी-एमएफ़आई	एनबीएफ़सी	गैर-लाभ लक्षित एमएफ़आई	कूला उद्योग
अद्वितीय सक्रिय उधारकर्ता ('000)	25,943	14,653	26,005	8,143	784	75,528
सक्रिय ऋण ('000)	35,829	18,059	38,614	9,129	1,005	102,636
संविभाग (₹करोड़)	90,643	40,539	74,771	20,225	1,896	228,074
संवितरित राशि (₹करोड़) - जफम'20	27,671	10,546	21,342	4,067	564	64,190
औसत ऋण आकार (`) -जफम'20	41,171	34,638	30,240	38,191	27,253	35,474
30+ चुकौतीगत विफलता (बकाया संविभाग)	1.54%	1.57%	1.89%	2.91%	0.32%	1.77%
90+ चुकौतीगत विफलता (बकाया संविभाग)	0.67%	0.67%	1.07%	1.55%	0.14%	0.87%

सारणी-01

- संविभाग बकाया के मामले में, माइक्रोफाइनांस उद्योग में 40% के बाजार हिस्से के साथ बैंकों का वर्चस्व है और 33% बाजार हिस्से के साथ उनके बाद एनबीएफ़सी-एमएफ़आई आते हैं।
- उधारकर्ता के एक्सपोजर के अनुसार, यथा 31 मार्च 2020 को 2.6 करोड़ सक्रिय उधारकर्ताओं के साथ एनबीएफ़सी-एमएफ़आई सबसे आगे हैं और 2.5 करोड़ सक्रिय उधारकर्ताओं के साथ बैंके उसके ठीक पीछे हैं
- उच्चतम औसत ऋण आकार (₹41,171) के साथ बैंकों के पास बकाया संविभाग की उच्चतम (40%) हिस्सेदारी है, जो कि उद्योग के औसत ऋण आकार ₹35,474 से 16% अधिक है
- बैंक, एसएफ़बी और गैर-लाभ लक्षित एमएफ़आई इन सभी ऋणदात्री श्रेणियों में 90+ अवधि की चुकौतीगत विफलता का स्तर, सकल उद्योग की 90+ अवधि की चुकौतीगत विफलता से कम है

टीप : एमएफ़आई खंड में 6 करोड़ सक्रिय उधारकर्ता हैं। अद्वितीय उधारकर्ताओं की संख्या में अंतर का कारण, उधारकर्ताओं की एसएफ़बी, बैंको, एनबीएफ़सी और गैर-लाभ लक्षित एमएफ़आई के साथ एकाधिक संबद्धताओं का होना है।

माइक्रोफाइनांस उद्योग पर्यावलोकन

आरेख-02

ऋणदाताके प्रकार के आनुसार बाजार हिस्से के रुझान

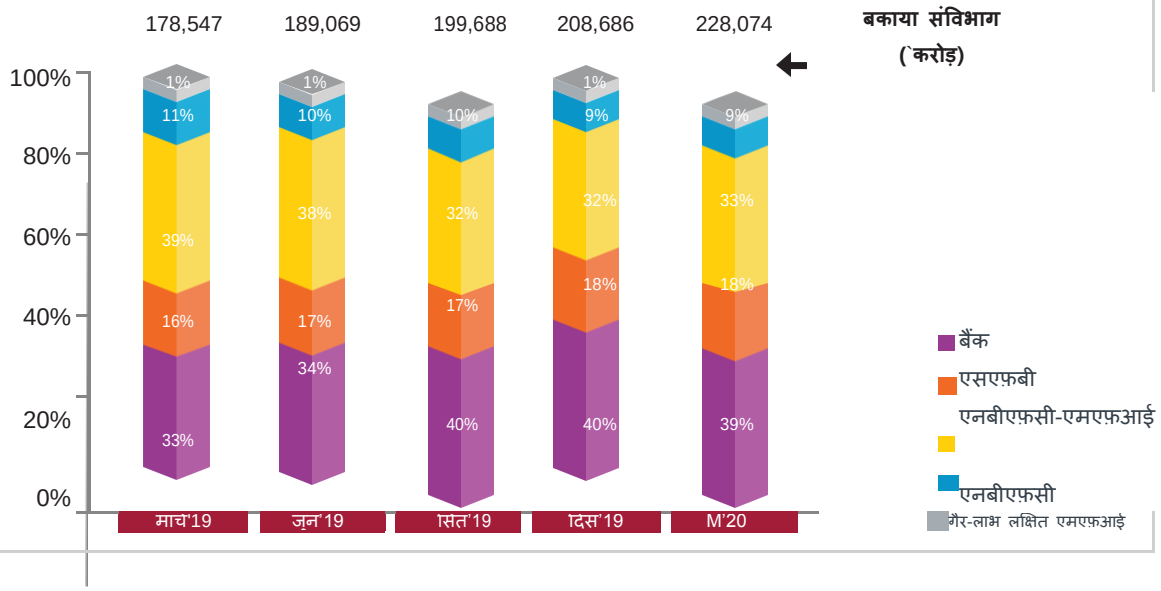

बकाया संविभाग (`करोड़)

विवरण	मार्च'19	जून'19	सितंबर'19	दिसंबर'19	मार्च'20
बैंक	59,999	64,367	80,526	83,725	90,643
एसएफ़बी	29,990	31,959	34,290	36,639	40,539
एनबीएफ़सी-एमएफ़आई	68,156	71,768	63,394	67,104	74,771
एनबीएफ़सी	18,539	18,997	19,508	19,415	20,225
गैर-लाभ लक्षित एमएफ़आई	1,863	1,978	1,970	1,802	1,896
सकल उद्योग	178,547	189,069	199,688	208,686	228,074
तिमाही-पर-तिमाही संवृद्धि दर %	-	6%	6%	5%	9%

सारणी-02

- माइक्रोफाइनांस उद्योग द्वारा मार्च 2019 से मार्च 2020 तक वर्षानुवर्ष 27% की संवृद्धि दर्ज की गई है
- सितंबर 2019 से मार्च 2020 तक, एसएफ़बी और एनबीएफ़सी-एमएफ़आई प्रत्येक ने 18% की उच्चतम संवृद्धि दर्ज की है और बैंक 13% की संवृद्धि के साथ इनके बाद में आते हैं
- मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में विगत 5 तिमाहियों की तुलना में उच्चतम 9% की संवृद्धि दर्ज हुई है
- मार्च 2019 से मार्च 2020 तक बैंकों की हिस्सेदारी बढ़ने और एनबीएफ़सी-एमएफ़आई की हिस्सेदारी घटने के संबंध में, संस्थागत स्तर पर हुए विलय को कारण माना जा सकता है

संवितरण के रुझान

MicrofinancePulse

संवितरण के रुझान - संस्थावार

आरेख-03

ऋणदाता प्रकार के अनुसार बाजार हिस्सेदारी

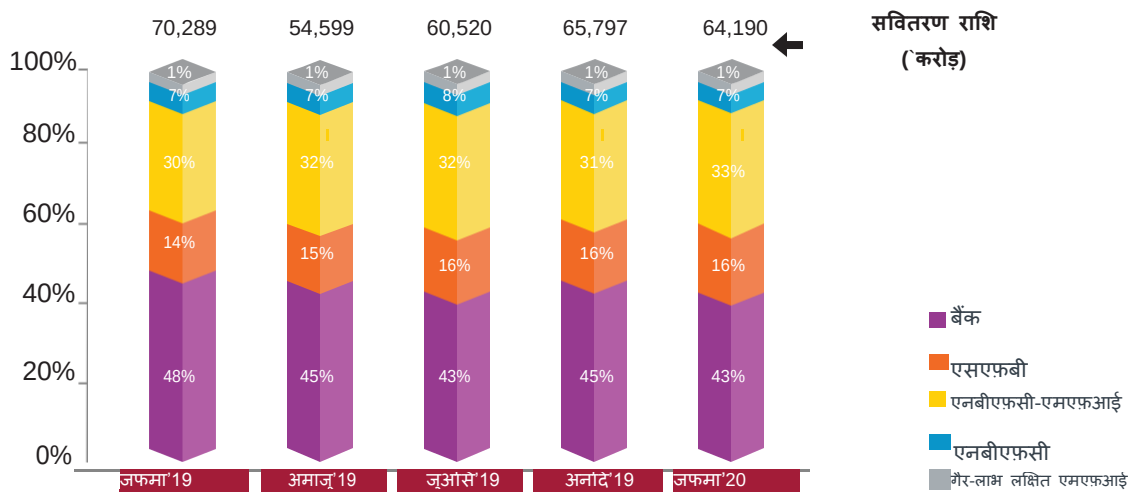

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

ऋणदाता प्रकार	जफमा'19	अमजू'19	जुअसि'19	अनदि'19	जफमा'20
बैंक	86	63	68	74	67
एसएफ़बी	32	25	28	31	30
एनबीएफ़सी-एमएफ़आई	75	61	69	70	71
एनबीएफ़सी	14	12	14	12	11
गैर-लाभ लक्षित एमएफ़आई	2	2	2	2	2
कुल उद्योग	209	163	181	189	181

सारणी-03

- जनवरी-फरवरी-मार्च 2029 से जनवरी-फरवरी-मार्च 2020 तक, माइक्रोफिनेंस उद्योग ने संवितरित किए गए ऋणों की संख्या में 13% की कमी और संवितरण ऋण की मूल्य राशि में 9% की कमी देखी गई
- जनवरी-फरवरी-मार्च 2020 तिमाही में एनबीएफ़सी-एमएफ़आई के संवितरण की मूल्य राशि - सभी 5 तिमाहियों में - 33% के शीर्ष पर रही
- अक्तूबर-नवंबर-दिसंबर 2010 से जनवरी-फरवरी-मार्च 2020 तक संवितरण मूल्य राशि 2% घट गई

उद्योग ऋण आकार के रुझान

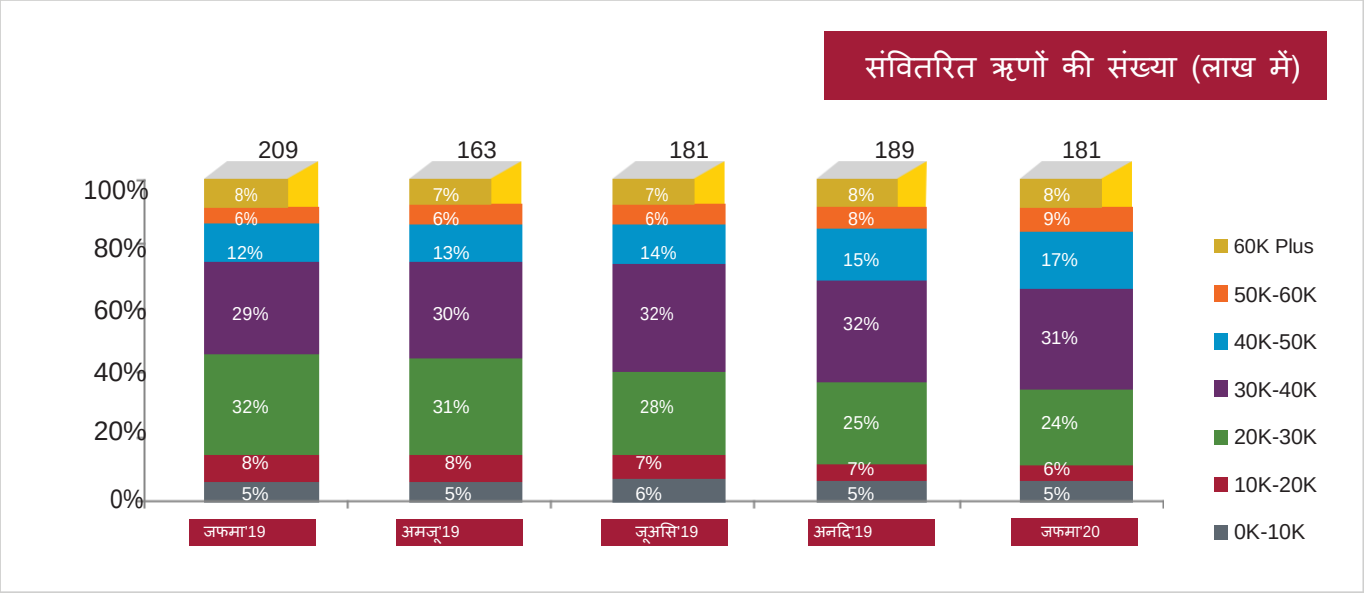

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

ऋण आकार से ऋणदाता वर्ग	जफमा'19	अमजू'189	जूअसि'198	अनदि'189	जफमा'2019	वर्षानुवर्ष अमजू'19 संवृद्धि दर %
0 से 10 हजार	10	9	11	10	9	-13%
10 से 20 हजार	15	13	14	13	11	-27%
20 से 30 हजार	68	51	50	48	43	-36%
30 से 40 हजार	61	49	58	59	56	-7%
40 से 50 हजार	25	21	25	29	30	22%
50 से 60 हजार	12	9	10	15	17	36%
60 हजार से अधिक	18	12	13	15	15	-16%
कुल	209	163	181	189	181	-13%
ति-पर-ति ऋण संवितरण संवृद्धि दर %	-	-12%	11%	4%	-4%	-
अखिल भारतीय एटीएस (`)	33,958	33,508	33,427	34,854	35,474	4%
ति-पर-ति एटीएस संवृद्धि दर %	-	-1%	0%	4%	2%	-

सारणी-04

जनवरी-फरवरी-मार्च 2019 से जनवरी-फरवरी-मार्च 2020 तक, 20 हजार से 30 हजार की राशि आकार के ऋणों में वर्षानुवर्ष सर्वाधिक 36% की कमी दर्ज हुई और 50 हजार से 60 हजार की राशि आकार के ऋणों में वर्षानुवर्ष 36% की संवृद्धि हुई है

वर्षानुवर्ष औसत ऋण आकार में जनवरी-फरवरी-मार्च 2019 के रु.33,958 से 4% की संवृद्धि हुई है

उद्योग-जोखिम का स्वरूप

उद्योग-जोखिम का स्वरूप

Graph-05

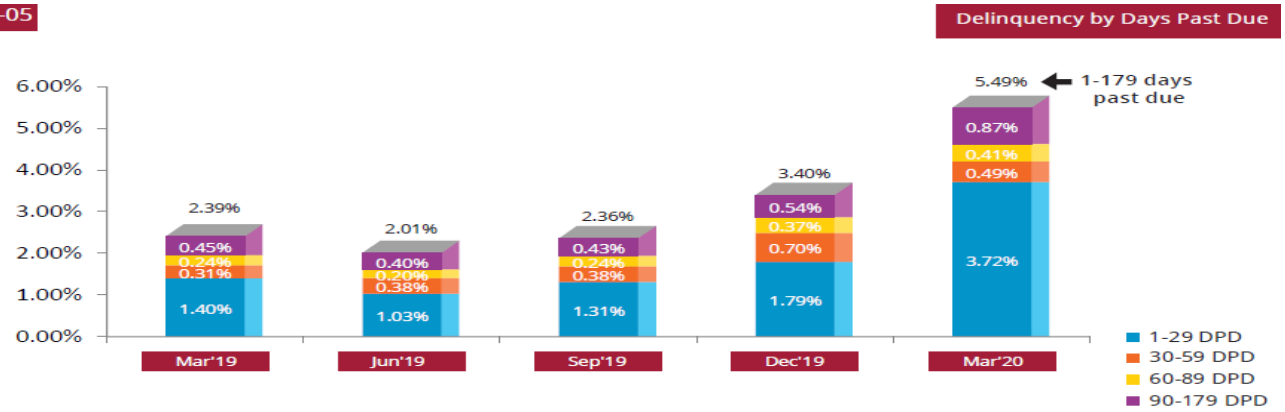

अपचारिता पिछले देय से अपचारिता

रिपोर्टिंग तिमाही	1-29 दिनों की विगत देयता	30-59 दिनों की विगत देयता	60-89 दिनों की विगत देयता	90-179 दिनों की विगत देयता	1-179 दिनों की विगत देयता
मार्च, 19	1.40%	0.31%	0.24%	0.45%	2.39%
जून, 19	1.03%	0.38%	0.20%	0.40%	2.01%
सितं, 19	1.31%	0.38%	0.24%	0.43%	2.36%
दिसं, 19	1.79%	0.70%	0.37%	0.54%	3.40%
मार्च, 20	3.72%	0.49%	0.41%	0.87%	5.49%

सारणी 05

- मार्च 2020 तक समग्र उद्योग-अपचारिता 5.49% रही है, जो पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है।
- पिछले 30-59 दिनों की देयताओं में सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं। यह दिसंबर 2019 में 0.70% से घटकर मार्च 2020 में 0.49% हो गयी है।

भौगोलिक जोखिम परिक्षेत्र

MicrofinancePulse

10 शीर्ष राज्य - यथा मार्च, 2019 एवं मार्च, 2020 को बकाया संविभाग

संविभाग बकाया (करोड़ में)

10 शीर्ष राज्य /	मार्च, 2019	मार्च, 2020	वर्ष-दर-वर्ष संवृद्धि %
तमिल नाडु	24,611	32,399	32%
पश्चिम बंगाल	26,987	30,873	14%
बिहार	18,036	26,163	45%
कर्नाटक	15,294	19,015	24%
महाराष्ट्र	12,420	16,353	32%
उत्तर प्रदेश	10,812	15,224	41%
मध्य प्रदेश	9,905-	13,277	34%
ओडिशा	11,412	12,838	12%
असम	12,021	11,310	-6%
केरल	6,942	9,378	35%

सारणी 06

- मार्च 2019 और मार्च 2020 में संपूर्ण भारत के संविभाग में शीर्ष 10 राज्यों का योगदान 80% से अधिक है।
- मार्च 2019 से मार्च 2020 तक तमिलनाडु वर्ष दर वर्ष 32% की संवृद्धि के साथ पहले स्थान पर स्थापित हो गया है।
- मार्च 2019 के दौरान बिहार ने वर्ष दर वर्ष 45% की संवृद्धि दर्ज की और 41% की संवृद्धि के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर रहा।
- शीर्ष 10 राज्यों में, कुछ अपवादों के साथ, एक राज्य के मौजूदा उधारकर्ता-परिक्षेत्र में दर्ज उच्च वर्ष दर वर्ष संवृद्धि इसी अवधि के दौरान, राज्य की उच्च संविभाग-संवृद्धि के विकास के अनुरूप रही है।

माइक्रोफाइनांस पल्स

यथा मार्च, 2020 तक राज्य /संघक्षेत्र वार 90+ अपचारिता

नक्शा-01

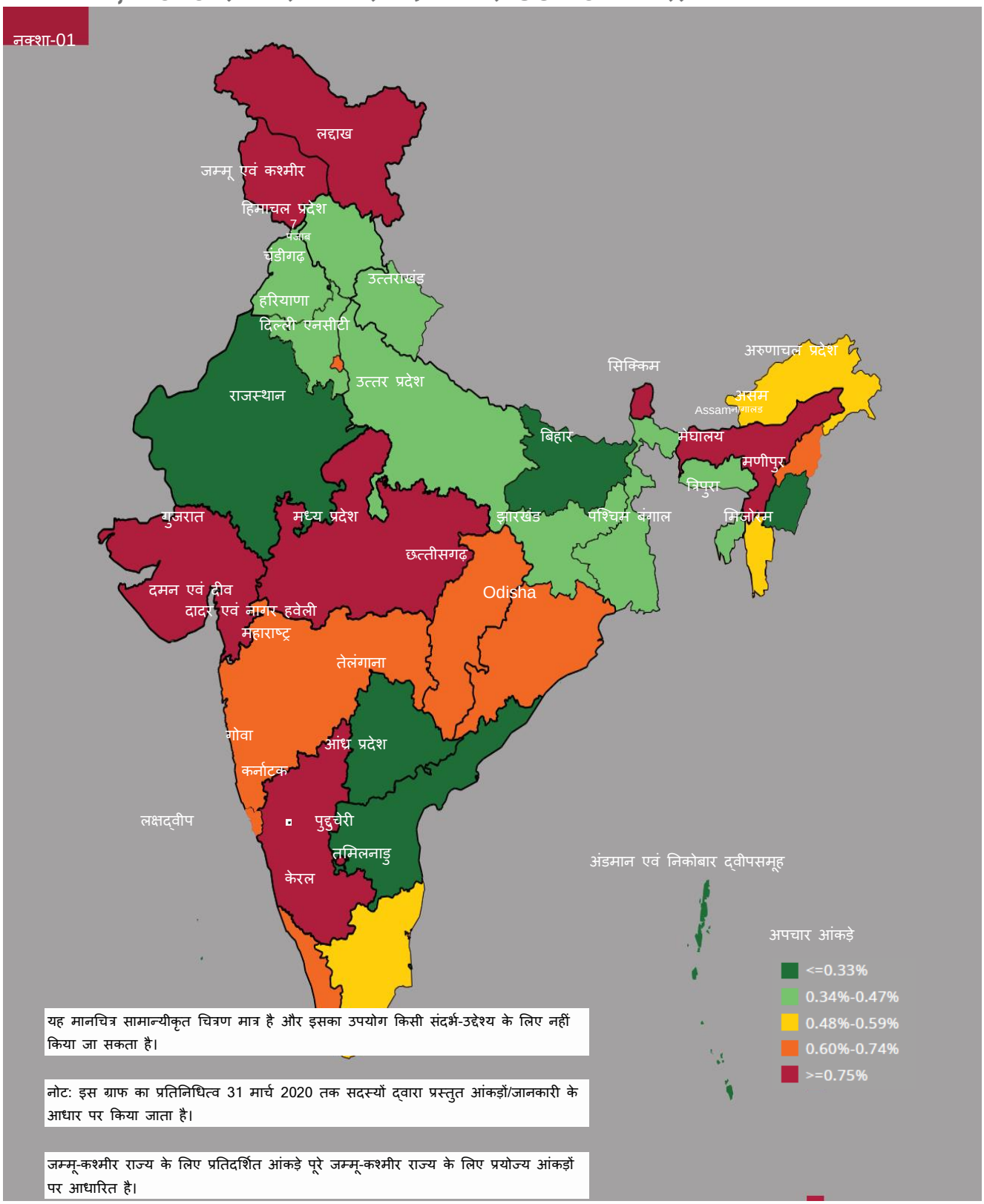

यह मानचित्र सामान्यीकृत चित्रण मात्र है और इसका उपयोग किसी संदर्भ-उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता है।

नोट: इस ग्राफ का प्रतिनिधित्व 31 मार्च 2020 तक सदस्यों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों/जानकारी के आधार पर किया जाता है।

जम्मू-कश्मीर राज्य के लिए प्रतिदर्शित आंकड़े पूरे जम्मू-कश्मीर राज्य के लिए प्रयोज्य आंकड़ों पर आधारित है।

- यथा मार्च 2020 तक संपूर्ण भारत में 90+% मामलों में अपचारिता की स्थिति 0.87% रही है।
- जम्मू-कश्मीर के अपवाद के साथ उत्तरी क्षेत्र ने अपने 90+ अपचारिता की स्थिति को 0.47% के भीतर कायम रखा, जो 0.87% के उद्योग विशेष के अपचारिता से 0.40% कम है।

ऋण चक्र आईडी रुझान

MicrofinancePulse

ऋण चक्र आईडी-स्रोतीकरण रुझान

आरेख-06

ऋण चक्र आई डी द्वारा स्रोतीकृत ऋणों की संख्या।

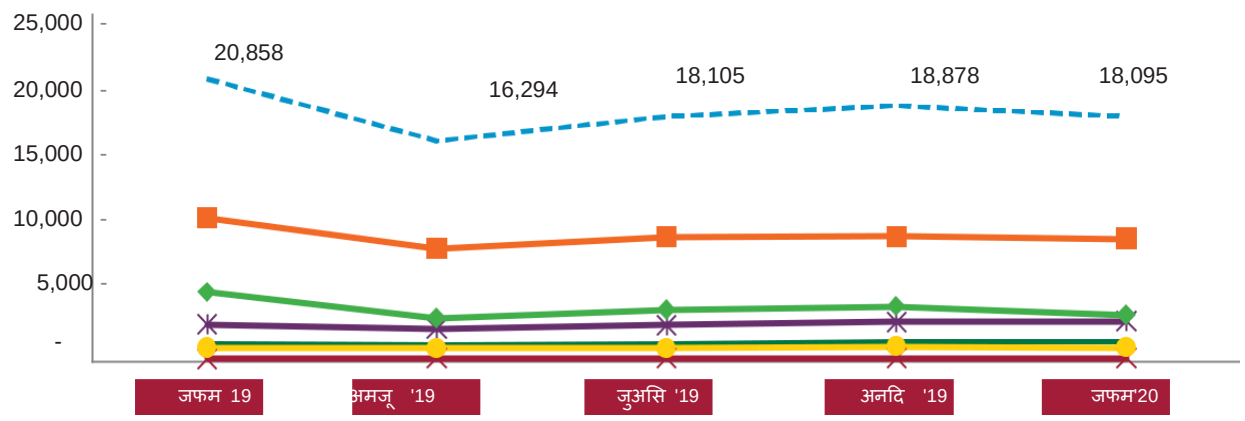

ऋण चक्र आईडी	जफम 19	अमजू '19	जुअसि '19	अनदि '19	जफम '20
ऋणआईडी 1	10,627	8,388	9,263	9,276	9,112
ऋणआईडी 2	2,774	2,464	2,721	2,940	3,019
ऋणआईडी3	1,049	968	1,030	1,171	1,181
ऋणआईडी 4-6	1,019	997	992	1,125	1,051
ऋणआईडी >6	250	255	254	296	281
अन्य (आईडी परिभाषित नहीं	5,138	3,223	3,845	4,070	3,450
उद्योग	20,858	16,294	18,105	18,878	18,095

सारणी-07

जनवरी से मार्च 2020 संवितरित राशि द्वारा ऋण चक्र आईडी वितरण

ऋण चक्र आईडी	संवितरित राशि (₹करोड़)	संवितरित राशि %
ऋणआईडी -1	133,479	42%
ऋणआईडी -2	47,400	15%
ऋणआईडी -3	19,326	6%
ऋणआईडी -4-6	16,651	6%
ऋणआईडी ->6	3,899	1%
अन्य (आईडी परिभाषित नहीं)	95,179	30%
उद्योग	315,934	100%

सारणी-08

- ऋण चक्र आईडी - 1 में संवितरित राशि की दृष्टि से उच्चतम स्रोतीकरण हिस्सा 42% है।
- ऋण चक्र आईडी - 2 में ऋणों की संख्या के स्रोतीकरण के संबंध में जफम'20 में अक्तूबर नवंबर दिसंबर '20 की तुलना में 3% की वृद्धि देखी गयी

ऋण चक्र आईडी द्वारा अपचारिता

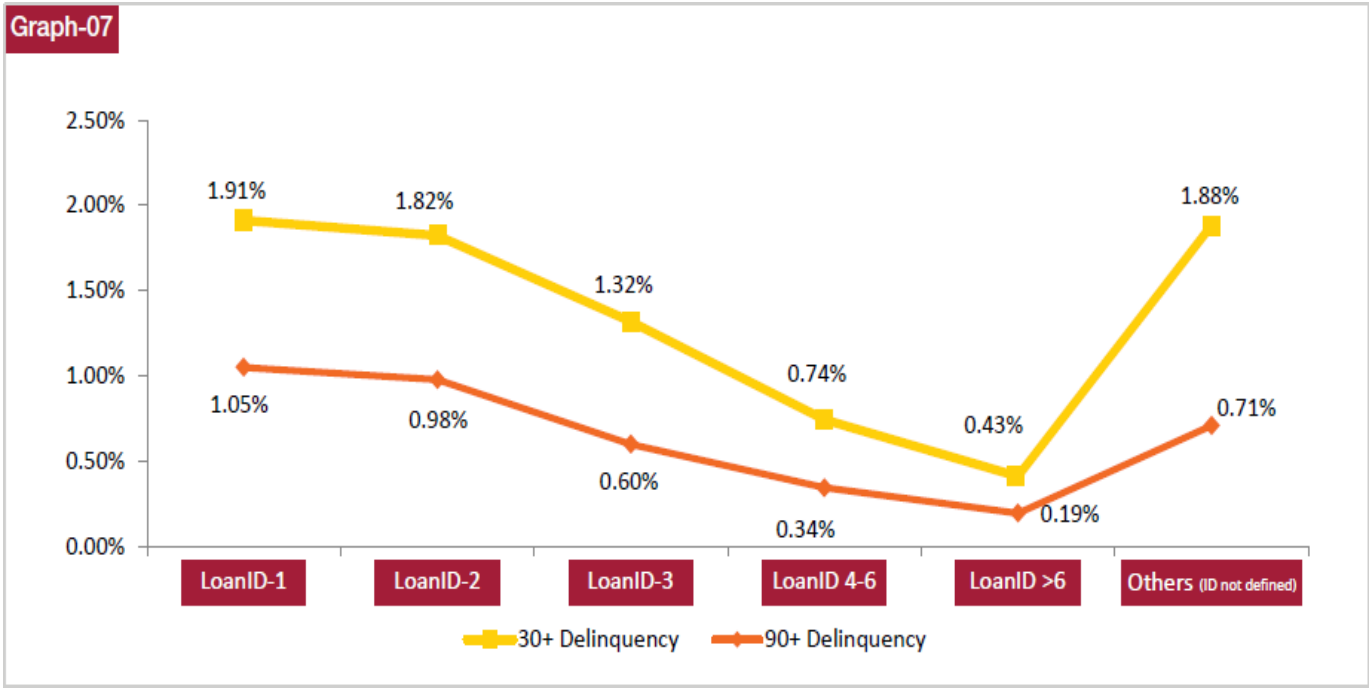

- ऋण चक्र आईडी में वृद्धि के साथ 30+और 90+ अपचारिता में कमी

अपचारिता पीओएस के आधार पर परिगणित

आकांक्षी ज़िले

MicrofinancePulse

आकांक्षी जिले मार्च 2020 पर्याव

Graph-08

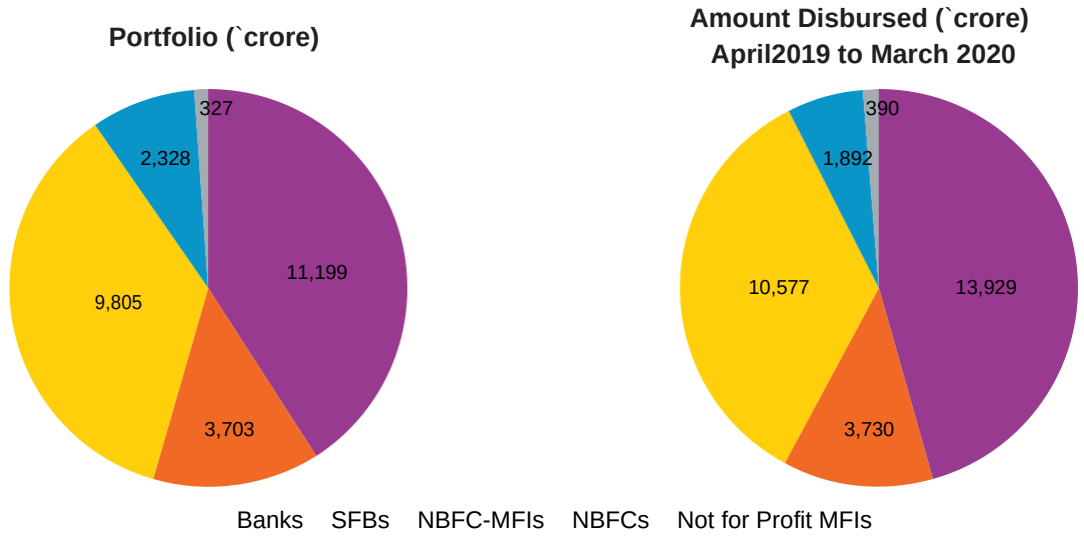

Graph-09

30+ and 90+ POS Delinquency lender category wise

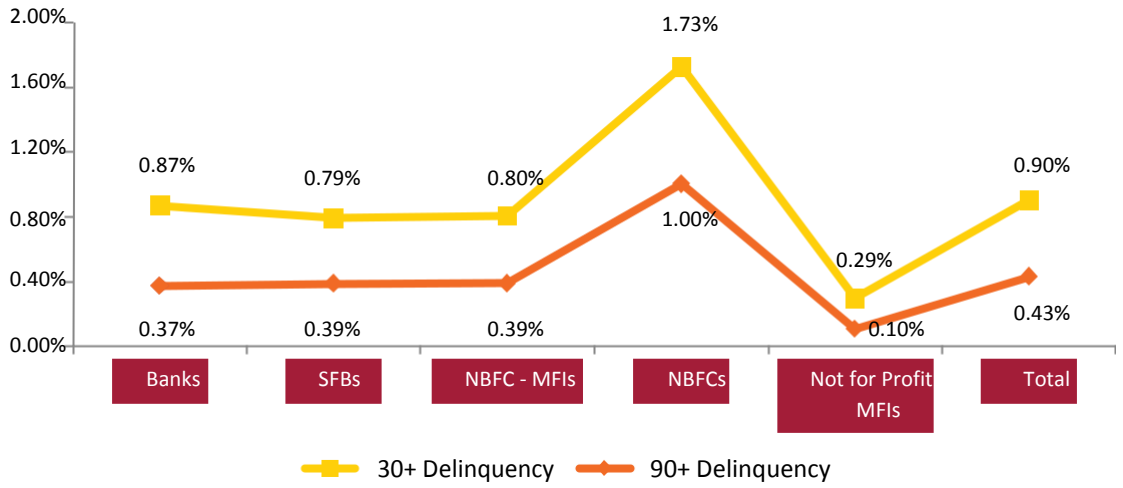

आकांक्षी जिलों के संवृद्धि का विवरण	दिसंबर 2017	मार्च 2020	संवृद्धि %
सक्रिय ग्राहक पैठ	4,155	7,604	83%
संवितरित राशि (₹ करोड़)	14,374*	30,518**	112%
सक्रिय ऋण	6,925	12,785	85%
संविभाग (₹ करोड़)	11,175	27,362	145%
30+ अपचारिता	1.54%	0.90%	-
90+ अपचारिता	0.75%	0.43%	-

सारणी -09

- मार्च 2020 तक आकांक्षी जिलों में बैंकों के 41% शेयर के साथ बकाया कुल संविभाग ₹27,362 करोड़ रहा, उस के बाद एनबीएफसी-एमएफआई का 36% शेयर रहा
- समस्त आकांक्षी जिलों में एनबीएफसी का उच्चतम अपचारिता 30+ एवं 90+ है।
- पोर्टफोलियो बकाया में 145% की वृद्धि हुई और संवितरित राशि में दिसंबर 2017 से मार्च 2020 तक पोर्टफोलियो बकाया में 145% की वृद्धि हुई और दिसंबर 2017 से मार्च 2020 तक संवितरित राशि में 112% की वृद्धि देखी गई

*जनवरी 2017 से दिसंबर, 2017 तक संवितरण

** अप्रैल 2019 से मार्च, 2019 तक संवितरण

अपचारिता पीओएस के आधार पर

अपचारिताएँ परिगणित

माइक्रोफाइनांस पल्स

आकांक्षी ज़िले - ग्राहक और भौगोलिक प्रसार

आरेख -10

पीओएस बकेट द्वारा ग्राहक वितरण - आकांक्षी ज़िले

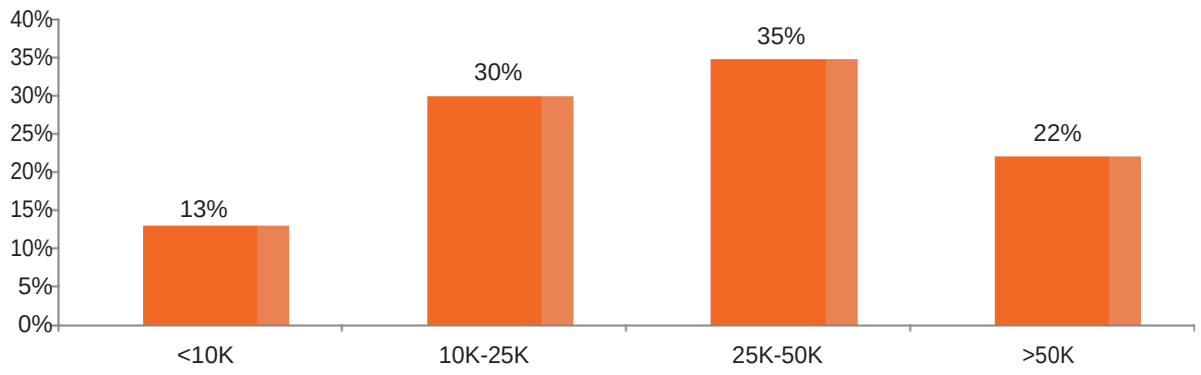

ज़िला	राज्य	पीओएस (₹करोड़) मार्च 2020)	सक्रिय खाते ('000) मार्च 2020	सक्रिय संस्थान * गणना मार्च, 2020	सक्रिय उधारकर्ता ('000) मार्च 2020	90+ पीओएस अपचारिता मार्च, 2020 90+ POS
मुजफ्फरनगर	बिहार	2,000	906	65	541	0.21%
बेगुसराई	बिहार	1,434	653	62	368	0.32%
पूर्णिया	बिहार	1,081	459	51	271	0.10%
औरंगाबाद	महाराष्ट्र	950	462	59	230	0.72%
दाहोद	गुजरात t	876	415	38	215	0.19%
सितामढ़ी	बिहार	834	387	56	216	0.04%
अरारिया	बिहार	821	359	41	213	0.12%
कटिहार	बिहार	818	359	47	205	0.23%
विरधुनगर	तमिलनाडु	788	400	48	202	1.53%
गया	बिहार Bihar	714	333	53	204	0.42%

सारणी -10

- आकांक्षी ज़िले के उधारकर्ता 10हजार से 50हजार संविभाग बकाया बकेट्स में केंद्रित हैं
- मार्च 2020 तक बिहार के 5 से अधिक जिले शीर्ष 10 आकांक्षी ज़िला आधार पर बकाया संविभाग का हिस्सा हैं
- मुजफ्फरपुर शीर्ष 10 आकांक्षी ज़िला बकाया संविभाग में 19% का योगदान देता है। इसके बाद बेगूसराय में 14% और पूर्णिया में 10% है.
- शीर्ष 5 आकांक्षी जिलों में पूर्णिया का 90+ अपचारिता 0.10% है जोकि यथा मार्च 2020 तक आकांक्षी जिलों की 90+ अपचारिता 0.43% से 0.33% कम है. मार्च 2020 तक 0.43% की अपचारिता

* कई भौगोलिक क्षेत्रों में काम करने वाले संस्थानों के कारण कुछ दोहराव हो सकता है

व्यापक राज्य रूपरेखा :

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश : राज्य एक दृष्टि में

आरेख -11

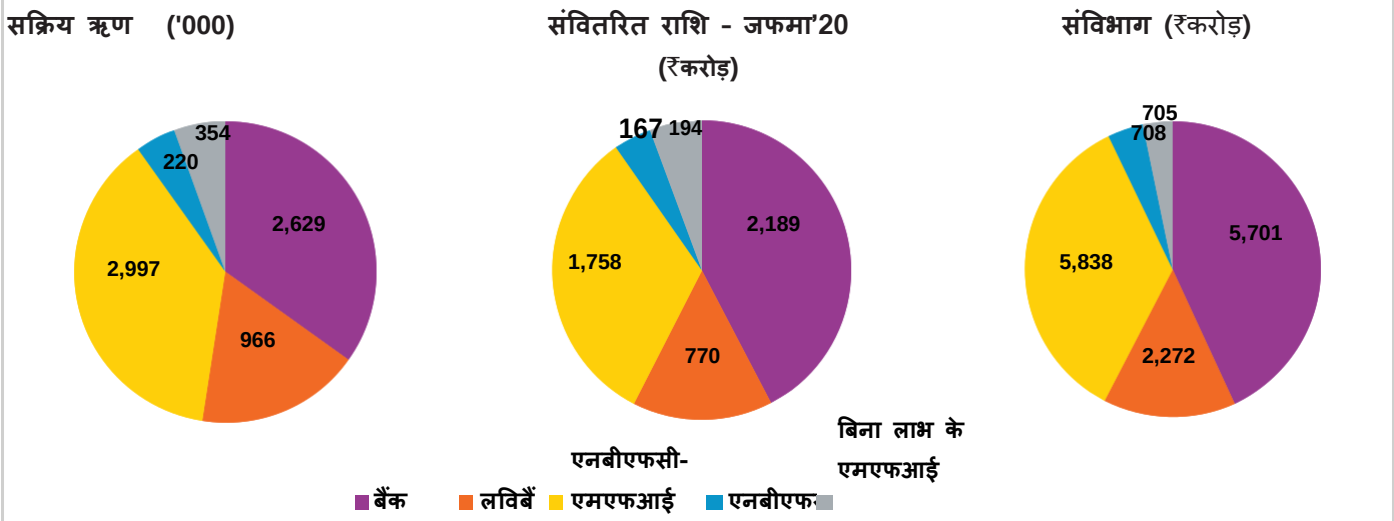

मार्च 2020 को उत्तर प्रदेश एक दृष्टि में	बैंक	ल वि बैंक	एनबीएफसी-एमएफआई	एनबीएफसी	बिना लाभ वाली एमएफआई	कुल उद्योग
सक्रिय ऋण	2,629	966	2,997	220	354	7,166
संविभाग (₹करोड़)	5,701	2,272	5,838	708	705	15,224
बकाया संविभाग में बाज़ार का हिस्सा	37%	153%	3842%	53%	5%	100%
संवितरित राशि (₹करोड़) - जफमा'20	2,189	770	1,758	167	194	5,078
औसत आकार - जफमा'20	35,342	33,272	30,557	55,349	26,909	33,223
30+अपचारिता (पीओएस)	0.56%	0.56%	0.84%	2.03%	0.11%	0.71%
90+अपचारिता (पीओएस)	0.33%	0.33%	01.3411%	1.1155%	0.06%	0.36%

सारणी -11

- उत्तर प्रदेश - सबसे अधिक आबादी वाला भारतीय राज्य सक्रिय ऋण और पीओएस के मामले में पैन इंडिया एमएफआई पोर्टफोलियो में 7% का योगदान करता है
- एटीएस के संदर्भ में, उत्तर प्रदेश एटीएस जफमा'20 तिमाही के पूरे भारत के एटीएस की तुलना में 6% कम है
- 31 मार्च, 2020 को उत्तर प्रदेश में पूरे भारत की 90+ अपचारिता 0.87% की तुलना में 90 + अपचारिता 0.51% कम है।
- यथा मार्च 2020 तक उत्तर प्रदेश (पीओएस) में एनबीएफसी-एमएफआई की सबसे अधिक 38% हिस्सेदारी है.
- उत्तर प्रदेश राज्य में सबसे अधिक औसत टिकट साइज ऋण `55,349 का स्रोत एनबीएफसी है और उसके बाद `35,342 राशि के साथ बैंक हैं.
- एनबीएफसी 1.11% पर उच्चतम 90+अपचारिता दर्शाता है, जबकि 30+अपचारिता 2.03 पर बंद होता है जोकि उत्तर प्रदेश राज्य में उद्योग 30+ अपचारिता से 1.32% उच्च है और भारत में समग्र उद्योग 30+ अपचारिता से 0.26% उच्च है।

माइक्रोफाइनांस पल्स

उत्तर प्रदेश : भौगोलिक संविभाग योगदान

आरेख -12 उधारदाता श्रेणी द्वारा भौगोलिक परिदृश्य

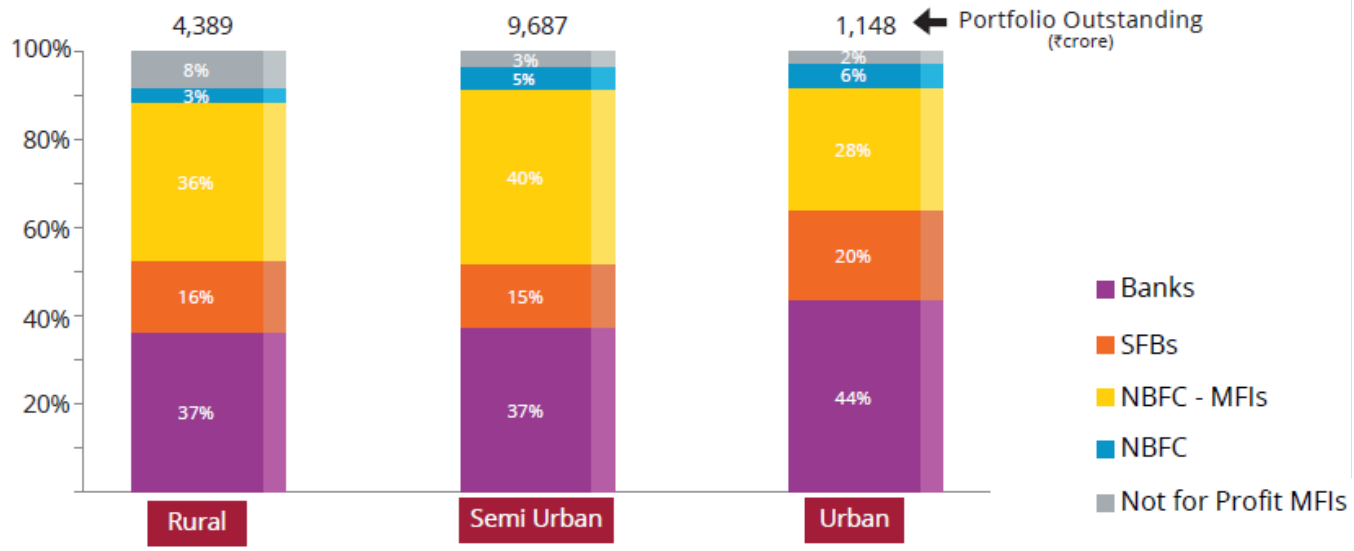

आरेख -13 भूगोल द्वारा 90+ अपचारिता

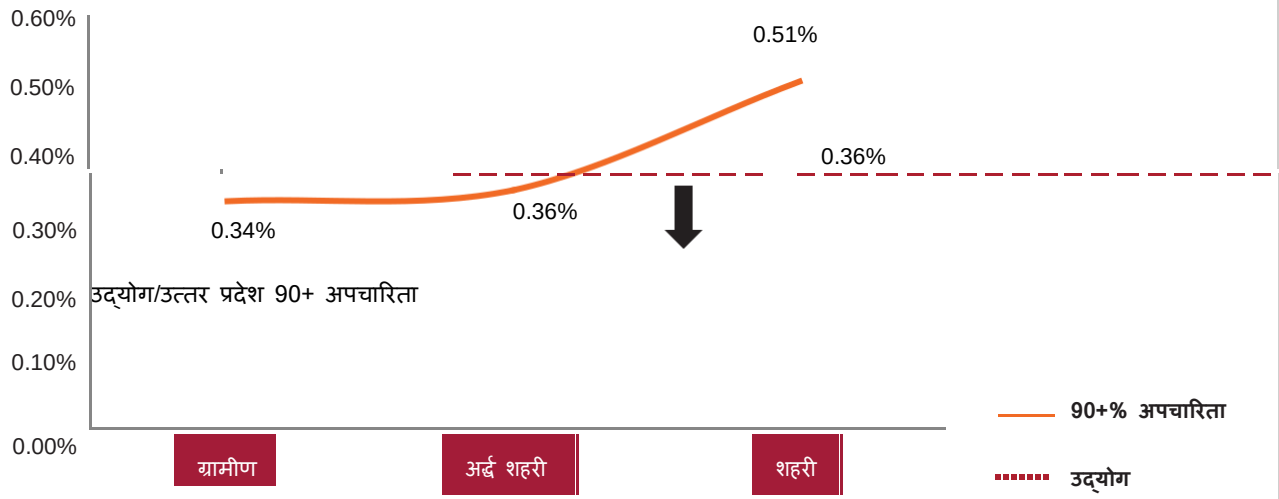

- मार्च 2020 तक उत्तर प्रदेश के बकाया संविभाग में अर्ध शहरी क्षेत्र 64% का उच्चतम योगदान है, इसके बाद ग्रामीण क्षेत्र का 29% योगदान और शहरी क्षेत्र का 7% योगदान है।
- बैंक शहरी क्षेत्र के तहत 44% पर उच्चतम बाजार हिस्सेदारी को दर्शाते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 40% और 36% बाजार हिस्सेदारी के साथ प्रभावशाली बने हुए है।
- शहरी क्षेत्र राज्य की बकाया संविभाग में 90 + अपचारिता की तुलना में उच्च 90+ बकाया संविभाग अपचारिता को दर्शाता है

उत्तर प्रदेश : उधारकर्ता वितरण

आरेख -14

बकाया संविभाग द्वारा सक्रिय उधारकर्ता वितरण

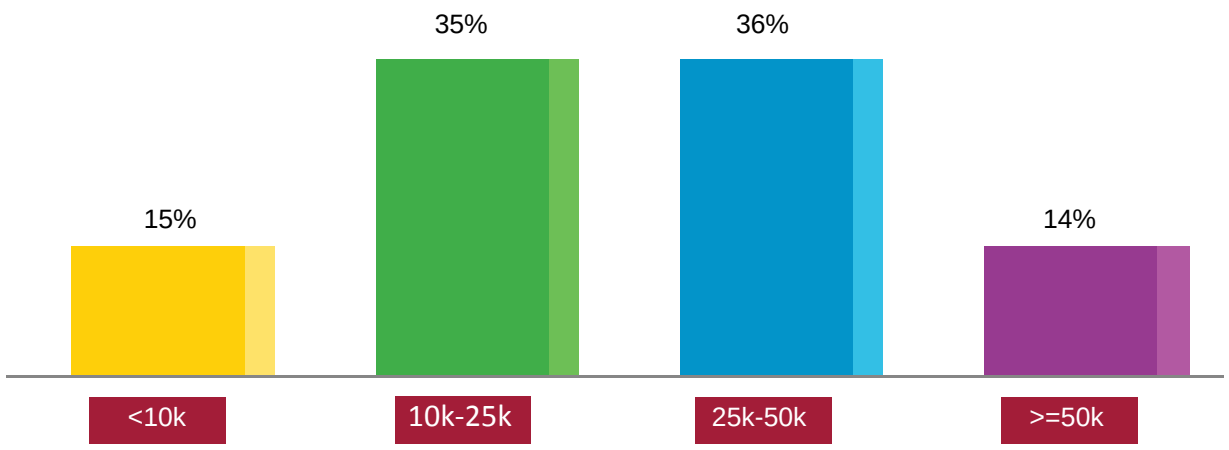

आरेख -15

बकाया संविभाग द्वारा सक्रिय उधारकर्ता वितरण - शीर्ष 5 ज़िले

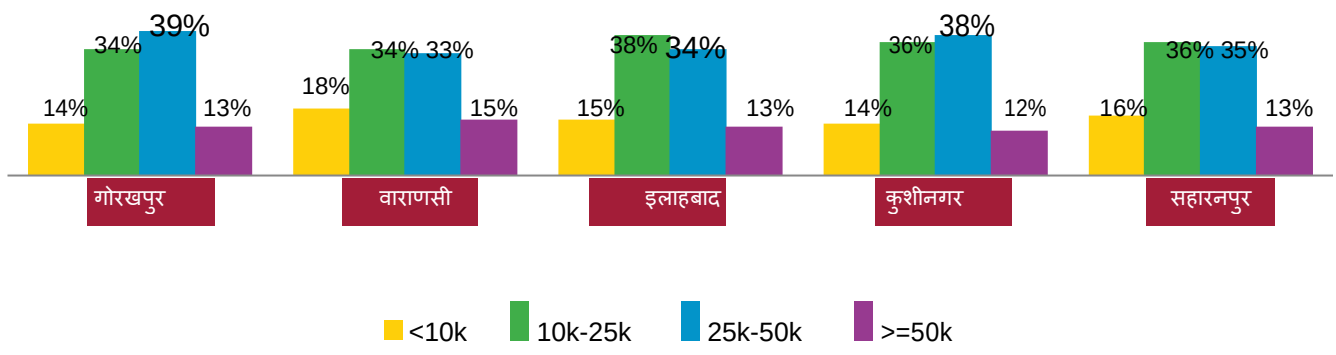

- पोर्टफोलियो बकाया द्वारा उधारकर्ता वितरण बताता है कि 71% उधारकर्ता 10हजार से -50हजार समूह के बीच हैं
- संविभाग बकाया के मामले में गोरखपुर शीर्ष जिला है और मार्च 2020 तक 25हजार -50हजार बकाया संविभाग समूह के लिए सबसे अधिक उधारकर्ता वितरण है
- 10हजार से -50हजार बकाया संविभाग समूह के लिए इलाहाबाद में 38% पर उच्चतम उधारकर्ता वितरण है

माइक्रोफाइनांस पल्स

सिडबी के बारे में

संसद के एक अधिनियम के तहत 1990 में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की स्थापना की गई है। सिडबी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई सेक्टर) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास के तीसरे एजेंडे को क्रियान्वित करने और समान गतिविधियों में लगे विभिन्न संस्थानों के कार्यों के समन्वय के लिए प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में काम कर रहा है। वर्षों से अपने विभिन्न वित्तीय और विकासात्मक उपायों के माध्यम से, बैंक ने समाज के विभिन्न स्तरों पर लोगों के जीवन को स्पर्श किया है, पूरे एमएसएमई स्पेक्ट्रम पर उद्यमों को प्रभावित किया है और एमएसएमई पारितंत्र में कई विश्वसनीय संस्थाओं के साथ काम किया है।

विज़न 2.0 के तहत, सिडबी ने एमएसएमई सेक्टर में सूचना विषमता को दूर करने के लिए व एमएसएमई इकाइयों की आर्थिक स्थिति को समझने हेतु एमएसएमई पल्स के अलावा एमएसएमई सेंटीमेंट को देखने के लिए क्रिसिडेक्स तथा फिनटेक लेंडिंग सेगमेंट पर ऋण आंकड़े की अंतर्दृष्टि के लिए फिनटेक पल्स और माइक्रोफाइनांस पल्स जैसी पहलों की शुरुआत की है।

अल्पवित्त क्षेत्र में सिडबी

सिडबी ने अल्पवित्त आंदोलन का समर्थन करके समावेशी वित्त के ध्येय को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। अल्पवित्त के तहत, बैंक ने यथा मार्च 2020 तक 100 से अधिक एमएफआई संस्थाओं को संचयी रूप से ₹19,871 करोड़ के ऋण मंजूर किए हैं। अल्पवित्त इकाइयों को ऋण और ईक्विटी समर्थन के साथ इन संस्थाओं की क्षमता निर्माण समर्थन और अनुपालन मूल्यांकन के साधन आदि के माध्यम से समर्थन से नैगम अभिशासन की संस्कृति को सुव्यस्थित रूप से सुग्राही बनाते हुए पूरक का कार्य कर रहा है। अल्पवित्त उद्योग के कमजोर शुरुआत से पूर्ण उद्योग समूह तक पहुंचाने के लिए हैंडहोल्डिंग के अलावा, हमारी 8 सहयोगी अल्पवित्त संस्थाएं स्माल वित्त बैंक / विश्वव्यापी बैंक में रूपांतरित हुई हैं। अल्पवित्त ऋण प्रदायगी के तहत परंपरा से हटकर सिडबी की एक पहल यह है कि बाजार दरों से काफी कम ब्याज दरों पर (साझेदारी व्यवस्था के माध्यम से) सिडबी छोटे ऋण सीधे उधारकर्ता को उपलब्ध कराता है। "प्रयास" नामक इस पहल के अंतर्गत बैंक द्वारा साझेदारी मॉडल से पिरामिड के सबसे निचले स्तर के सूक्ष्म उधारकर्ताओं को बाजार दरों की तुलना में कम ब्याज दरों पर `₹0.50 लाख से ₹5 लाख के छोटे आकार के ऋणों को दिया जा रहा है।

इक्विफैक्स के बारे में

इक्विफैक्स एक वैश्विक सूचना समाधान कंपनी है जो विश्व भर के बिजली संगठनों और व्यक्तियों के लिए विश्वसनीय इक्विफैक्स एक वैश्विक सूचना समाधान कंपनी है जो विश्वसनीय अद्वितीय आंकड़ें, नवोन्मेषी विश्लेषण, प्रौद्योगिकी और उद्योग विशिष्टता का प्रयोग करके ज्ञान को अंतर्दृष्टि में परिवर्तित करके विश्व भर के शक्तिशाली संगठनों और व्यक्तियों को व्यापारगत और व्यक्तिगत अधिक सुविज्ञ निर्णय लेने में मदद करती है।

इक्विफैक्स का मुख्यालय अटलांटा, जार्जिया में है और उत्तरी अमेरिका, मध्य और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों में इसका निवेश है या/ और अपना परिचालन करता है। यह स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एस एंड पी) 500® इंडेक्स का सदस्य है और यह EFX चिह्न के तहत इसके सामान्य स्टॉक का कारोबार न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) से होता है। दुनिया भर में इक्विफैक्स के 11,000 कर्मचारी हैं। ऋण उद्योग में 120 वर्षों से अधिक की वैश्विक विरासत के साथ, 2010 में, इक्विफैक्स ने भारतीय बाजार में उपस्थिति स्थापित की और भारतीय रिजर्व (आरबीआई) द्वारा इसे सीआईसी के रूप में संचालित करने के लिए लाइसेंस दिया गया था। पिछले 9 वर्षों में, क्रेडिट ब्यूरो के सदस्यों की संख्या बैंकों, एनबीफसी, एमएफआई और बीमाकर्ताओं सहित + सदस्यों तक बढ़ गई है। ये सदस्य लाखों भारतीय उपभोक्ताओं की जनसांख्यिकीय और पुनर्भुगतान संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं। 2014 में, इक्विफेक्स ने एक एनालिटिक्स फर्म के अधिग्रहण के माध्यम से भारत में अपने दायरे को आगे बढ़ाया है। भारत में इक्विफैक्स एनालिटिक्स प्रा. लिमिटेड इक्विफैक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली एनालिटिक्स इकाई है, जो कारोबार के प्रदर्शन और उपभोक्ताओं के जीवन दोनों को समृद्ध करने वाले अद्वितीय अनुकूलित वि प्रदान करती है।

अस्वीकरण

माइक्रोफाइनेंस पल्स (रिपोर्ट) इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (इक्विफैक्स) द्वारा तैयार किया गया है। रिपोर्ट का उपयोग, उपयोगकर्ता इस शर्त के साथ स्वीकार करता है कि इस तरह का उपयोग इस अस्वीकरण के अधीन है। यह रिपोर्ट मार्च 2020 तक इक्विफैक्स के सदस्य अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के संकलन पर आधारित है। यद्यपि रिपोर्ट तैयार करने में इक्विफैक्स उचित ध्यान रखता करता है, परंतु अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत गलत या अपर्याप्त जानकारी के कारण सटीकता, त्रुटियों और / या चूक के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगा। इसके अलावा, इक्विफैक्स किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रिपोर्ट और / या इसकी उपयुक्तता में सूचना की पर्याप्तता या पूर्णता की गारंटी नहीं देता है और न ही इक्विफैक्स रिपोर्ट के माध्यम से किसी भी प्रवेश या विश्वसनीयता के लिए उत्तरदायी है और इक्विफैक्स स्पष्ट रूप से सभी दायित्वों से इंकार करता है। यह रिपोर्ट किसी भी आवेदन, उत्पाद की अस्वीकृति / या स्वीकृति के लिए सिफारिश नहीं है और न ही इक्विफैक्स द्वारा (i) ऋण देने और नहीं देने के लिए कोई सिफारिश या (ii) संबंधित व्यक्ति के साथ किसी भी वित्तीय संव्यवहार शुरू करने या नहीं करने से संबन्धित है। रिपोर्ट में निहित जानकारी परामर्श नहीं करती है और उपयोगकर्ता को इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के आधार पर कोई भी निर्णय लेने से पहले विवेकपूर्ण विचार कर सभी आवश्यक विश्लेषण करना चाहिए। रिपोर्ट का उपयोग ऋण सूचना कंपनियां (विनियमावली) अधिनियम 2005, ऋण सूचना कंपनी विनियमवाली, 2006, ऋण सूचना कंपनियां नियम, 2006 के प्रावधानों के तहत संचालित है। रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा बिना पूर्व अनुमोदन के प्रतिलिपिबद्ध, प्रकाशित या परिचालित नहीं किया जाना चाहिए।

संपर्क विवरण

इक्विफैक्स क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट नंबर 931, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नंबर 9,
त्यागी कॉर्पोरेट पार्क, अंधेरी घाटकोपर लिंक रोड,
अंधेरी पूर्व, मुंबई - 400093
टोल फ्री नंबर: 1800 2093247
ecissupport@equifax.com

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

स्वावलंबन भवन, प्लॉट नंबर सी -11, 'जी' ब्लॉक,
बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व),
मुंबई - 400051 महाराष्ट्र
टोल फ्री नं .: 1800 22 6753

www.sidbi.in/en